بسم الله الرحمن الرحيم

Friday Sermon in Hindi HADHRAT MUHYI-UD-DIN AL-KHALIFATULLAH Munir Ahmad Azim(as)

02 February 2018 (15 Jamad'ul Awwal 1439 AH)

अपने सभी चेलों सहित सभी नए चेलों, (और दुनिया भर के सभी मुसलमानों) को शांति का अ भवादन करने के बाद हज़रत ख़लीफ़तलाः (अतबअ) तशहूद, तौज ,सुरा अल फातिहा पढ़ा और फर उन्होंने अपना उपदेश दिया : "मानव अवस्था और उपचार"।

३१ जनवरी २०१८ के उत्कृष्ट नीले लहू रंग का चाँद

दुनिया भर ने बुधवार, ३१ जनवरी २०१८ को असाधारण दिव्य संकेत देखा है | यह संकेत एक उत्कृष्ट नीले लहू रंग का चाँद है। वास्तव में उत्कृष्ट नीले लहू रंग का चाँद क्या है ?यह तीन चंद्र व शष्टताओं का संयोजन है। इस घटना की व्याख्या सरलीकृत करने के लए(या बल्कि दिव्य चह्न), यह जब प्राकृतिक उपग्रह उसी समय पृथ्वी के अपेक्षाकृत निकट है (जो हमें एक उत्कृष्ट चाँद देता है), यह उसी महीने का एक दूसरा पूर्ण चंद्रमा भी है (एक नीला चंद्रमा) और वहां पर एक ही समय में चंद्रमा का ग्रहण भी (एक लहू रंग का चाँद)। तो यह एक उत्कृष्ट चाँद जो एक नीले चंद्रमा के साथ संयुक्त है और एक चंद्र ग्रहण के साथ जो दुनिया के कुछ हिस्सों में पूरा दिखा था और जिसे हम एक रक्त/ लहू चंद्रमा कहते हैं । यह सभी तीन घटनाएं केवल पृथ्वी के कुछ हिस्सों में दिखाई दे रही थीं, इस मामले में अमेरिका में (१५२ वर्षों के बाद) और ए शया में और ऑस्ट्रे लया के देशों और इत्यादि । ले कन यूरोप के देशों के लए, जैसे फ्रांस इत्यादि,यह घटना, यह दिव्य चह्न दिखाई नहीं दे रहा था (ले कन १९८२ दिखाई दे रहा था)। ले कन यहां १५२ वर्षों के बाद मॉरीशस में, हमने यह देखा, ले कन केवल चंद्र ग्रहण का एक हिस्सा जो केवल कुछ ही मनट तक चलता रहा।

यह घटना / चह्न बातचीत का वषय बन गया, सभी लोग इसके अर्थ के साथ सट्टेबाज़ी करने लगे। वहां ऐसे लोग भी हैं जो इस दृष्टिकोण से कहते हैं क यह एक दुनिया के अंत का संकेतक है और उद्धारकर्ता जल्द ही दिखाई देगा। ले कन यह सच्चाई है क हम दुनिया के अंत के दिनों में जी रहे हैं और जिस
उद्धारकर्ता के लए हर कोई इंतजार कर रहा है वह पहले से ही आपके समीप है। जब आप इस तरह के दिव्य स्वर्गीय संकेत देखते हैं, ये अल्लाह के पैगम्बर के आने के पक्ष का संकेत हैं। यह संकेत इतना असामान्य है (कसी भी आम आदमी के जीवनकाल के दौरान)और जिस तरह से यह दुनिया में प्रकट हुआ है
दुनिया की कई प वत्र धर्म शास्त्रों में स्पष्ट रूप से व र्णत भ वष्यवा णयां दिखाती है और अल्लाह ने हमें प वत्र कुरान में क्या सखाया है, यह सब कुछ मानवता को प्रतिबिंबित करने के लए संकेतों की अ भव्यक्ति है, ता क यह इसके आचरण में सुधार हो सके | ये सभी स्पष्ट संकेत भी दुनिया के अंत के दिनों की घोषणा कर रहे हैं, जिसमे हम अब रह रहे हैं।और उद्धारकर्ता जिसे सभी उम्मीद करते हैं (और यह फैसले के दिन तक सभी युग में आने वाला है) पहले ही आ चुका है, पहले से ही तुम्हारे बीच है। यह सच है क हजरत मुहम्मद (स अ व स) के एक हदीस में इं गत है क कसी एक के जन्म या मृत्यु की घोषणा करने के लए ग्रहण नहीं होता है। ले कन उन्होंने यह भी कहा क वादा कए गए मसीह (महदी) के आगमन के लए, रमजान के उसी महीने में दो ग्रहण होंगे, एक चंद्र, और अन्य सूर्य, और

यह ही वास्तव में वादा कए गए मसीह के समय में व्यक्त हुआ है , हजरत मर्जा गुलाम अहमद (अ स) और इस वनम्र नौकर के समय भी, जो ख़लीफ़तुल्लाह है । यह उत्कृष्ट नीले रंग का लहू चाँद जो दिव्य चह्न है वादा कए गए मसीहा हजरत अहमद(अ स) के उद्घोषणा करने के कुछ साल पहले भी दिखाई दिया था। तो ये सभी दुनिया को हिला देने वाले भयानक घटनाओं के संकेत हैं , खासकर यदि लोग अल्लाह के चुनाव को नहीं पहचानते हैं और अल्लाह को भूलने में बने रहते हैं, और उसके साथ सहयोगी (झूठे)देवी-देवताओं उनके साथ (इबादत में)।

१८३ साल के गुलामी के अंत से

और कल, जैसा क आप सभी जानते हैं, एक सार्वजनिक अवकाश था, जिसने १८३ साल के बाद गुलामी के अंत को चह्नित कया था । हमारे दादा दादी (सभी राष्ट्रों के) ने अन गनत अत्याचार, कठिनाइयों, और बड़ी कठिनाइयों का सामना कया है , जहां उनके मौ लक अ धकार, उनके मानवा धकार,पैरों तले कुचल दिया गया था। यह १८०० के दशक में दुनिया के देशों में एक-एक करके गुलामी को खत्म करने लगे, ले कन देखो क इस्लाम कतना सही धर्म है - प्र सद्ध है! यह पहले इस्लाम है, ७ वीं शताब्दी के बाद अरब में, आगमन के साथ सबसे महान भ वष्यद्वक्ता आगमन के साथ जो दुनिया में कभी ज्ञात है और फर भ वष्य में कभी गवाह नहीं होगा (यानी, अपने क्षमता के इस तरह के एक भ वष्यवक्ता), क दिव्य आज्ञापत्र जो मानवता को सखाने के लए नीचे आ गईं क कैसे गुलामी को थोड़ा-थोड़ा करके खत्म कया जाए। यह कदम गुलामी के अंत की दिशा में इतना वशाल था क्यों क उस समय गुलामों को जानवरों की तरह व्यवहार कया जाता था और महान पैगंबर हजरत मुहम्मद (स अ व स), गुलामों के आगमन के साथ, जिन्हें कम से कम माना जाता था कुछ भी उनके अ धकार, उनके मानवा धकार, और इस लए अल्लाह के माध्यम से कुरान के शक्षण भी नहीं मला

कुरान के शक्षण और उसके पैगंबर (स अ व स) के उदाहरण के माध्यम से दासों के मुक्ति के लए दरवाजा भी खोला गया जहां उन्हें मनुष्यों और उनकी आजादी के रूप में गरिमा को वापस पाने का अवसर मला | अलहमदुलील्लाह, सुम्मा अलहमदुलील्लाह।

हमें अल्लाह का शु क्रया अदा करना चाहिए क उसने हमें मुसलमानों के रूप में और सभी हमारे मानवा धकार के साथ लाया है | सच में, हम बहुत भाग्यशाली हैं जब हम अतीत के लोगों के बारे में सोचते हैं, और पूरी तरह से निराशा का सामना करना पड़ा जब उन्हें अपहरण कर लया गया था और बेच दिया और दास बनने के लए मजबूर कया, और जहां उन्हें उनके वतन से उखाड़ फेंक दिया गया और उन देशों में जानवरों की तरह काम करने के लए ,अन्य देशों में जहाज द्वारा भेज दिया।

अल्लाह उन सभी पर दया करे जो इन अत्याचारी परिस्थितियों में रहते हैं,

और अल्लाह उन्हें उन सभी ब लदान और धैर्य के लए पुरस्कृत करे जो उन्होंने ऐसी मुश्किल परिस्थितियों लया है। आमीन।

मानव अवस्ता और उपचार

दुनिया खतरनाक गति पर वक सत हो रही है। यह लगातार आधुनिकीकरण कर रहा है,

छोटा और कम जीवन आकार बना कर , गोल मेज़ की तरह लोगों के करीब होना
जहां पूरी दुनिया एकजुट हो सकती है और संवाद कर सकती है और अपने वचार साझा सकती है।
ले कन सत्ता और धन की दौड़ के साथ, अमीर और अमीर हो रहे हैं। गरीब और
गरीब हो रहे हैं। और दुनिया तब तक अस्तित्व में रहती है अन्यथा जब तक एक निर्माता का फैसला नहीं होता ।

अमीर या गरीब, हर कोई अपने तरीके से जीने की को शश करता है। ले कन एक देश के निवा स होते हुए हम में से कतने अपने स्वास्थ्य, मनोरंजन, भोजन, और शांति के लागत सोचते हैं? ले कन सबसे पहले , वे कतने मूल्यवान समय को प्रार्थना के माध्यम से निर्माता की याद में सम र्पत करते हैं। अमीर लोगों में लगभग कोई समस्या नहीं है वे चुपचाप शांतिपूर्वक अपना जीवन जी रहे हैं। ले कन ,दूसरी तरफ गरीबों को अपनी जरूरतों को पूरा करने की को शश में कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कसी भी देश की आबादी का यह वर्ग हमेशा गरीबी में अपनी कई समस्याओं के साथ रहेगा - अकाल, बीमारी, आवास, बेरोजगारी।

हालां क, लोगों की , जो भी उनकी स्थिति है , जीते हैं। वे जीने की को शश करते हैं। शायद कुछ लोग मौत चाहते हैं क्यों क उन्हें गरीबी और दुःख से कुचल दिया जाता है। ले कन जीवन या मृत्यु हम पर निर्भर नहीं है। यह अल्लाह ताला का अनन्य वशेषा धकार है।

ले कन फर क्यों चंता, इतना सारा दुर्भाग्य? ... क्या अल्लाह ताला, जो अद् वतीय निर्माता, जो जानता है और सब कुछ नियंत्रित करता है, हमें प्यार नहीं करता? क्या वह हमारे जीवन के तरीके की सराहना नहीं करता, चीजों को करने का हमारा तरीका सराहनीय नहीं हैं? वास्तव में नहीं , बल्कि हमारे प्यारे पैगंबर हजरत मुहम्मद (स अ व स) के एक हदीस के अनुसार। यह बल्कि हम इंसान हैं, जो खासतौर पर अपने उम्मत के लोग जो अपने निर्माता के दायित्वों को बहुत जल्दी भूल जाते हैं। तो सब कुछ उल्टा हो जाता है। जब स्थिति बदलती है, तो जीवन अस्थिर हो जाता है। तनाव, चंता, क्रोध, चंता, संदेह पनपता है।

तो क्यों दुनिया की अ धकांश आबादी गरीबी में रहती है और इस लौ कक वश्व में बहुत कम प्रतिशत, अत्यंत धनी है जो सब कुछ नियंत्रित करते है? कुछ जो महसूस करते हैं क वे अपने भाग्य के कारण इतने शक्तिशाली हैं, वे आधे ईश्वर की सोच रखते हैं। ले कन यह स्पष्ट होना चाहिए। अमीर या गरीब हम हमेशा एक ही डर में रहते हैं,
एक ही पीड़ा, एक ही चंता।

हम आज २१ वीं शताब्दी में रहते हैं, भ्रम का समय जहां भौतिकवाद (यानी भौतिकवादी दिमाग वाले लोग) हर जगह प्रच लत हैं, उम्मत के अन्तर्गत। भौतिक सु वधा केवल पृथ्वी पर हमारे लए उपयोगी है। हम क्या दुनिया के जीवन के बाद आने वाले जीवन के लए तैयार है ? क्या हम इसके लए पर्याप्त तैयारी कर रहे हैं? यहाँ पृथ्वी पर, घायल दिल के कारण की प्रमुख पूरी भ्रम की वजह प्रमुख घायल दिल के कारण है , कमजोर आत्मा के साथ छिन्न- भन्न हो गया।

दुनिया भर के दवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लए(औषधीय दवाएं) - हमें केवल च कत्सा समाचारों का पालन करना होगा। वैज्ञानिक सभी प्रकार की दवाओं का उत्पादन केवल तनाव प्रतिरोध के लए करते हैं - आधुनिक दुनिया की बीमारी, चंता, क्रोध , घबराहट,आदि |दवाएं जो उच्च खुराक में उपयोग की जाती हैं कभी-कभी उसके दुष्प्रभाव होते हैं। स्थिति जटिल हो जाती है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वह निजी क्लिनिक या सार्वजनिक अस्पताल में उपचार लेता है, रोगी को वांछित खुशी नहीं मलती है या अगर वह इसे प्राप्त करता है, तो यह बहुत अनिश्चित है। उसके बाद वह शैतानी, शैतानी उपचार की ओर मुड़ता है जो केवल स्थिति को खराब करता है, जब क केवल एक प्रभावी उपाय है,वास्तव में बहुत प्रभावी है, स्वतंत्र रूप से पेशकश
की है ले कन उपे क्षत, भूल गए, एक ओर निक्षेपण: अल्लाह ताला को एकबार बुलाना।

हां, उसकी तरफ मुड़ें, जो उद्धारकर्ता,जो रोगहर, संरक्षक, दयालु है । वह बिना शुल्क के सभी उपचार प्रदान करता है। नियुक्ति के बिना। वह केवल हमसे एक बात पूछता है: हर समय उसी के बारे में सोचें। वह हमें सुनने के लए यहाँ प्रस्तुत है। हम सभी बीमार लोगों को अपने अंदर अनार क्षत वश्वास और प वत्रता को लाना चाहिए है। उस पर वश्वास करो,उनके उपचार में, उनके चमत्कारों में। क्या हम इसके लए तैयार हैं?

हमें तैयार रहना चाहिए । हमें अपने निर्माता पर भरोसा करना चाहिए। थोड़ा सा भी संदेह के बिना। बिना आरक्षण के। हमें महसूस करना चाहिए क हम मनुष्य सभी प्रा णयों भाग्यशाली हैं| अल्लाह ता'अला ने हमें सबकुछ मुफ्त में दिया है । यह हमारे ऊपर निर्भर है की हम वनम्रता के साथ, संयम के साथ, इसका ध्यानपूर्वक उपयोग
करें । सबसे अच्छा सामान, सबसे अच्छी नौकरियां, मानव के लए सर्वोच्च सुरक्षा है। उसे कुछ भी शकायत नहीं करनी चाहिए क्यों क उसे सबकुछ दिया जा चूका है। प्रवेर्शयोग्यता असीम है।

इन सबके बावजूद, मनुष्य की आत्मा कभी शांति नहीं पाती है। यह आत्मा हमेशा
धीरज के बिना, चंतित, भयभीत होती है। यह आत्मा झेलती है, शरीर के पास आराम,
सु वधा, नींद, शांति नहीं है | शरीर खुशी, सुख, आनंद से वं चत है। अपने रोज़मर्रे की जिंदगी में सब कुछ बिल्कुल काला दिखता है। कोई शांति नहीं। यह एक निर्दयी नाव / जहाज है जो वशाल लहरों की दया पर है जहां कुछ भी हो सकता है। कभीकबार
और भी बुरे प्रकार के लए। हमें बुरे आचरणवालों जैसा महसूस हो रहा हैं। और अभी तक... सभी भौतिक संसाधन को एक सकारात्मक परिणाम के बिना इस्तेमाल कया (उसके द्वारा) गया । आदमी अपने आपको तौ लया में फेंकता है। वह मजबूर है,
निराश ... ले कन ऐसी स्थितियों के सामने, कसी भी मुसलमान के पास सच्चा इलाज
है:अल्लाह ... अल्लाह ... अल्लाह ... केवल अल्लाह!

उम्मत से हम में से प्रत्येक, जो उपद्रव के कनारे तक पहुंच गया है,कभी निराशा को राशा रास्ता नहीं देना चाहिए | उम्मत के प्रत्येक (हम में से) को चाहिए की ताकत हा सल करें और अपने निर्माता की ओर चलें ... उसका अद् वतीय निर्माता। वह उद्धारकर्ता, रक्षक,लाभकारी, अद् वतीय समर्थक है । वह केवल एक ही है जो सर से पैर की अंगुली तक इंसान को समझ सकता है । आ खरकार, यह सामान्य है। इसके लए क्या वह इंसान का निर्माणकर्ता /निर्माता नहीं है ?यह वह है जिसने उसे ढाला,उसके अंदर अपने भाव को फूंका,उसे ताकत दी, साहस, अच्छे और बुरे के बीच के अंतर को समझने के लए दिमाग दिया। वह पूरी तरह से मानव मनो वज्ञान को समझता है क्यों क वह खुद अकेला निर्माणकर्ता है|वह दुनिया भर में होने के नाते हर इंसान के दर्द, निराशा, दुख, खुशी को जानता है ।
यहां पृथ्वी पर हम सभी के लए एक गणनापत्र (रजिस्टर) है। तो धोखाधड़ी करने वाले वक्रेता की तरह बदलने का मुद्दा क्यों है (जो हमें हमसे पैसे निकालने के लए मूर्ख बनाने की को शश करते हैं) जब प्रत्येक समस्या का इलाज अल्लाह ताला के रास्ते में है?

इस रास्ते में (यानी अल्लाह का मार्ग), कोई निराशा नहीं, कोई खतरा नहीं, कोई अनावश्यक खर्च नहीं है। हाँ वहाँ खर्च है।अल्लाह ता'अला की कृपा प्राप्त करने के लए व्यय में आपकी सारी ऊर्जा खर्च करने का समावेश होता है। और फर यह जीवन की वास्त वकता है। "यह अल्लाह को स्मरण करने से नहीं क दिल को धीरज मलता है? " (अर-राद १३ :२९)।

इस्लाम सबसे सही धर्म है, जो निर्माता का सबसे प्यारा है। इस्लाम मूर्तिपूजा या अत्यंत संकटमय नियम या तुच्छ संस्कारों को शा मल नहीं करता है। हम मुसलमान है।हमारा प वत्र कर्तव्य है क हम एक ईश्वर में वश्वास करे,हर समय उसे मुडें,सादगी से उसकी इबादत करें । न आ धक न कम। और अल्लाह ता'अला, दयालुता, दया से भरा है,अनंत ज्ञान, कभी भी अपने वषयों को नहीं छोड़ता है। वशेष रूप से उम्मत में । भले ही,लापरवाही, आलस्य, असावधानी से, हम उसे भूल जाते हैं, हम उसे त्याग देते हैं! क्यों क अल्लाह ताला का प्यार हमारे लए है, उसने हमें कई तरह की प्रभावी साधन/सशस्त्र से बनाया है, वास्तव में , यह बहुत शक्तिशाली है । उन साधनों में, प वत्र
कुरान और प वत्र पैगंबर (स अ व स) की सुन्नत है । ये इस उम्मत पर अल्लाह का एहसान हैं जो प्रदान कया गया। क्या हम - उम्मत के लोग - इसके बारे में जानते हैं ? क्या हम उन्हें प्रभावी ढंग से और बुद् धमानी से हमारे वश्वास के धीरज के लए उपयोग करना जानते है जानें क हमारे वश्वास की शांति के लए उन्हें प्रभावी ढंग से और बुद् धमानी से कैसे उपयोग करें
हमारी साधुता, हमारी आत्मा, हमारे संपूर्ण शरीर के?

प वत्र कुरान मानवता के लए एक मार्गदर्शक है। सुन्नत एक तरह से इस मार्गदर्शक का स्पष्टीकरण और कार्यान्वयन है ।

इस्लाम पहले व्यक्ति और उसके निर्माता अल्लाह ताला के बीच की करीबी, अमोघ बंधन की स्थापना का प्रचार करता है। और इस बंधन को हमेशा के लए रहने की जरूरत है क्यों क कसी भी मान सक समस्या

का इलाज, धीरज है। यह वो बंधन है जो उम्मत के इस तत्व को लौ कक वश्व में कसी भी दुर्भाग्य के खलाफ रक्षा करेगा। उम्मत के हर कसी के दिमाग में यह अच्छी तरह से लंगर होना चाहिए: की यह अल्लाह ता'अला है जो वांछित स्थिरता को लाता है जब हम में से प्रत्येक की समस्याओं को हल करने की जरूरत है या जब हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ...

यदि एक मुस्लमान खुद को इस दिव्य बंधन से अलग करता है और खुद को वश्वास करने की अनुमति देता है क वह अन्य स्रोतों से आकर्षक हो कर अपनी समस्या का समाधान कर सकता है, यह मुस्लमान अपने वश्वास (इमान)को खो देते हैं। अब, इस वश्वास के बिना,यह मुस्लमान कसके लायक है ? केवल नाम (केवल नाम से मुसलामन) छोड़ दिया गया है।

इस लए, हमें अकेले ही अल्लाह के करीब आने के लए सब कुछ करना चाहिए, वह हमारी एकमात्र धीरज की एकमात्र स्रोत है। अगर हम परीक्षणों के दौरान भी धीरज से रहना चाहते हैं,तो यह हमारे निर्माता पर अकेले हमारा वश्वास रखकर है क हम सफल और हमारे लए आंतरिक शांति का द्वार खुला हो सकते हैं और अल्लाह की खुशी हमें आक र्षत करता है। इंशा अल्लाह, आमीन।

Translator, अनुवादक: फातिमा जैस्मिन सलीम

Place , स्थान : त मलनाडु, इं डया